

पौर्वात्य वि. (तत्.) 1. पूर्व दिशा का 2. पूर्वी 3. पौरस्त्य 4. प्राच्य विलो. पाश्चात्य।

पौर्वाद्धिक, पूर्वाधिक वि. (तत्.) पूर्वार्ध संबंधी।

पौर्वापर्य पुं. (तत्.) 1. पूर्वापर क्रम, अनुक्रम 2. आगे-पीछे होने की अवस्था-भाव।

पौर्विक वि. (तत्.) पहिले का, प्राचीन, पैतृक।

पौल स्त्री. (देश.) रास्ता, सिंहद्वार।

पौलस्त्य वि. (तत्.) पुलस्त्य संबंधी, पुलस्त्य का पुं. पुलस्त्य के वंश में उत्पन्न, रावण, विभीषण आदि।

पौली स्त्री. (देश.) 1. पौरी, इयोढ़ी 2. पैर की एड़ी से पंजे तक का भाग।

पौलोमी स्त्री. (तत्.) 1. इंद्र की पत्नी, शची 2. भृगु ऋषि की पत्नी 2. इंद्राणी।

पौवा पुं. (देश.) सेर का चौथा भाग, पावभार की बाँट, एक पाव दूध आदि अँटने भर का बरतन।

पौष्टिक वि. (तत्.) पुष्टि कर, शक्तिवर्धक, पुं. धन, जन आदि की वृद्धि करने वाला कर्म 2. एक वस्त्र जो मुंडन संस्कार के समय धारण कराया जाता है।

पौसला/पौसरा पुं. (तद्.<पयःशाला) प्याऊ- वह स्थान जहाँ राहगीरों को जल पिलाया जाता है।

पौस्कल्य पुं. (तद्.<पौष्कल्य) 1. प्रचुरता 2. परिपूर्णता 3. पूर्ण वृद्धि।

प्याऊ पुं. (देश.) वह स्थान जहाँ गर्मी के मौसम में राहगीर जनों को जल पिलाया जाता है।

प्याज पुं. (फा.) 1. एक छोटा पौधा जिसके फूल बड़े तथा सफेद होते हैं, नीचे कंद निकलता है जो तीव्र गंध वाला होता है, यह तरकारी तथा औषध आदि बनाने के कार्य में आता है।

प्याजी वि. (फा.) प्याज के रंग का हल्का गुलाबी।

प्यादा पुं. (फा.) 1. जो किसी वाहन पर न होकर पैदल चल रहा हो 2. सेना का पैदल सिपाही 3. दूत 4. हरकारा 5. सतरंज का एक मोहरा, पैदल।

प्यान वि. (तत्.) 1. मोटा, पीन 2. शक्तिवर्धक।

प्यायन पुं. (तत्.) वृद्धि, वर्धन।

प्यायित वि. (तत्.) 1. जिसकी वृद्धि हुई हो 2. जिसकी शक्ति बढ़ गई हो 3. जो मोटा हो गया हो 4. जो तृप्त किया गया हो।

प्यार पुं. (देश.) 1. प्रेम 2. मुहब्बत पुं. (तद्.<पियाल) चिरौजी का पेड़, पियार, पियाल।

प्यारा वि. (देश.) जो प्रेम का पात्र हो 2. जो सुन्दर और आकर्षक लगे और जिसे प्यार करने की इच्छा हो 3. जिसके प्रति बहुत अधिक ममता हो।

प्याला पुं. (फा.) 1. पानी, चाय, दूध आदि पीने का एक पात्र चषक 2. एक प्रकार का कटोरा 3. पान पात्र 4. मदिरा पीने का पात्र 5. जुलाहों का नरी भिगोने का मिट्टी का बरतन।

प्यालिका स्त्री. (देश.) किसी छोटे पादप (पौधों) या प्राणी का अंग जो छोटी प्याली के आकार की तरह का हो।

प्यास स्त्री. (तद्.) 1. पिपासा, जल पीने की इच्छा, 2. किसी वस्तु आदि को देखने या प्राप्ति करने की तीव्र इच्छा जैसे- ज्ञान की पिपासा।

प्यूपा पुं. (अं.) अंडे से कीट शिशु डिंभक (लारवा) के आकार में बाहर आता है और तेजी से बढ़ता है, फिर कुछ समय बाद अपने ऊपर एक खोल सा चढ़ा लेता है। इस कार्य को प्यूपा कहा जाता है pupa

प्यूरिट क्रांति पुं. (अं.+तत्.) 1. पवित्रतावादी व्यक्ति, नियमनिष्ठ, कट्टरवादिता से पूर्ण, शुद्धतावादी आनंद से घृणा करने वाला व्यक्ति 2. ईसाई धर्म के मानने वालों का एक वर्ग जो धार्मिक उपचार व रीति के विरोधी थे तथा आनंद को पाप समझते हैं 3. कट्टरवादियों की क्रांति (धार्मिक विरोध) purit-revolution

प्यूरिटन वाद पुं. (अं.+तत्.) 1. शुद्धतावाद 2. कट्टरवाद, कट्टर विचार धारा वाला वाद 3. निर्मलवाद। puritanism

प्रिंटिंग पुं. (अं.) मुद्रण, छपाई, छपाड़ का काम। printing

प्रिंसिपल पुं. (अं.) 1. विद्यालय या शिक्षण संस्थान का प्रधान; शिक्षाप्रमुख, प्राचार्य, प्रधानाचार्य 2.